

V. वित्तीय बाजार

वैश्विक वित्तीय बाजारों में 2009 की ति4 में और सुधार हुआ जो वैश्विक आर्थिक सुधार से आए संकर्षण, हालांकि वैश्विक सुधार के आकार के प्रति चिंताएं भी थीं, मौद्रिक निभाव की वापसी के समय और गति से उभरती अनिश्चितता और राजकोषीय प्रोत्साहन और उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में सरकारी की अधिकता से प्रेरित था। देशी बाजारों में, 2009-10 की ति3 में समग्र वित्तीय बाजार स्थिति की विशेषता तुलनात्मक रूप से कम जोखिम विस्तार, अधिक मात्रा और निधि की लागत में थोड़ी गिरावट थी। मुद्रा बाजारों में ब्याज दरें कम; मध्यम से दीर्घावधि बांड आय की बनी रहीं, किंतु राजकोषीय घाटे और स्फीतिकारी अपेक्षाओं की चिंता से बढ़ गई। शेयर बाजारों में और मजबूती बढ़ी और प्राथमिक बाजार में निधि जुटाने में काफी तेजी देखी गई। पूंजी अंतर्वाहों में सुधार से मुख्य मुद्राओं के प्रति रुपया मजबूत हुआ।

V.1 दुबई वर्ल्ड की घटना और बाद में सोवरेन जोखिम पर बाजारों के अधिक बल संबंधी अनिश्चितता की अस्थायी अवधि को छोड़कर वैश्विक वित्तीय बाजार 2009 की ति4 में सामान्यतः स्थिर बने रहे। क्षेत्रों में असमतल सुधार से उभरी अनिश्चितता, जॉबलेस सुधार और मांग पर उसके प्रभाव, वैश्विक सुधार का आकार, संकट से प्रभावित संस्थाओं को वित्तीय सहायता पर सरकारी नीति के रुझान और मौद्रिक निभाव (अर्थात् कम ब्याज दर और आसान चलनिधि) और राजकोषीय प्रोत्साहन (अर्थात् अधिक सरकारी व्यय और कर कटौती) के प्रति वित्तीय बाजारों की संवेदनशीलता बढ़ती गई। इसके अलावा, वित्तीय बाजार अत्यधिक महंगे सरकारी ऋण, विशेष रूप से

उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में, और उनकी भावी मौजूदगी से संबंधित दीर्घावधि लागत के प्रति चिंतित लगते हैं। अमरीका और यूरोप में कंपनी बांडों पर फैला ऋण चूक स्वैप (सीडीएस) और आसान हो गया। किंतु, दुबई वर्ल्ड द्वारा उसके ऋण दायित्वों पर भुगतान चूक जैसी हाल की घटनाएं सुझाती हैं कि सरकारी संस्थाओं द्वारा मात्र निहित गारंटियों के साथ जारी बांडों की पुनर्मूल्यन जोखिम हो सकती है। मुद्रा बाजार में चलनिधि कम विस्तार के कारण सुगम बनी रही। सरकारी बांडों पर आय भी कम बनी रही हालांकि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में महंगे सरकारी ऋण की चिंता का कुछ दबाव भी देखा गया। वैश्विक शेयर बाजार 2009 की ति4 के सकारात्मक आर्थिक आंकड़ों से लगातार प्रभावित रहे जिसमें उन्नत और उभरते बाजार स्टॉक दोनों में और लाभ दिख रहा था, हालांकि इसमें कुछ अस्थिरता थी। वास्तविक अर्थव्यवस्था की तुलना में आस्ति मूल्यों में सुधार की असमतल गति नीति निर्माताओं के किए चिंता बनी हुई है। कम नीतिगत दरों से सहायता प्राप्त अमरीकी डॉलर प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं की तुलना में दुर्बल बना रहा।

V.2 सुधार चक्र में भारतीय अर्थव्यवस्था उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से आगे रही है, अतः देशी वित्तीय बाजारों में अधिक स्थिरता देखी गई और वैश्विक बाजारों की तुलना में जोखिम स्तर सामान्यतः कम बना रहा। मुद्रा बाजार दरों में प्रतिबिंबित अल्पावधि ब्याज दर एलएएफ गलियारे के भीतर कम और स्थिर बने रहे। चलनिधि की स्थिति लगातार सुगम बनी रही। किंतु, अग्रिम कर बहिर्वाह के कारण 2009-10 की ति3 के अंत में वित्तीय बाजारों में चलनिधि का अधिशेष कम हो गया। किंतु, दीर्घावधि सरकारी बांड आय

लगातार बढ़ी जो व्यापक सरकारी उधार दर्शाती है। व्यापक राजकोषीय घाटे और संभाव्य स्फीतिकारी दबावों से निकली चिंता भी अवधिपूर्णता के मध्यम से दीर्घावधि दायरे में आय वक्र में लगातार ऊर्ध्वमुखी अंतरण में दिखी। सरकारी उधार कार्यक्रम का अधिकतर हिस्सा वर्ष के प्रारंभ में ही पूरा किया गया (फ्रंट लोडेड) था ताकि वर्ष में बाद में निजी ऋण मांग के लिए स्थान उपलब्ध हो सके। कंपनी बांड आय ने भी 2009-10 की ति3 में आर्थिक गतिविधियों की गति बढ़ने से कुछ कड़ाई दिखाई। किंतु, बैंकों की उधार दरें कम हो गईं जो नीतिगत दरों का विलंबित अंतरण दर्शाती हैं। इक्विटी मूल्य 2009-10 की ति3 में और बढ़ गए, हालांकि ति2 की तुलना में थोड़े ही बढ़े थे। गैर-वित्तीय कंपनियों द्वारा निजी स्थानन में काफी वृद्धि और पारस्परिक निधियों द्वारा निधि जुटाने में तेज वृद्धि से प्राथमिक पूंजी बाजार गतिविधियां तेज हो गईं। कंपनियों द्वारा वाणिज्यिक पत्रों के माध्यम से संसाधन जुटाने में हुई काफी वृद्धि ने दर्शाया कि निवेश गतिविधियां और मजबूत हुई थीं।

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजार

V.3 ति4 में वैश्विक वित्तीय बाजारों में गतिविधियां काफी हद तक वैश्विक आर्थिक सुधार की गति और आकार से प्रभावित थीं जिससे मुख्यतः निवेशकों की अपेक्षाएं बढ़ गईं। सकारात्मक आर्थिक आंकड़ों के निरंतर प्रवाह, जो यह दर्शा रहा था कि प्रमुख उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाएं (ईएमई) स्पष्ट रूप से उच्च वृद्धि पथ पर थीं और अमरीका, ईयू और जापान में 2009: ति3 में जीडीपी वृद्धि में नाटकीय सुधार हुआ था, से जोखिम की संभावना और कम हो गई। फिर भी, सुधार की गति

और स्वरूप की अनिश्चितता से बनने वाली संभावित जोखिम, राजकोषीय-मौद्रिक प्रपत्साहन से बाहर निकलने का समय और गति तथा सुधार का क्षेत्रों में असमान होने और असंतुलन बनने की संभावना से बाजार आशंकित बने रहे। वैश्विक अर्थव्यवस्था सुधार के पथ पर होने से बाजारों का फोकस विशेष रूप से पण्य मूल्यों की ओर से संभाव्य स्फीतिकारी दबावों की ओर अंतरित हो गया। वास्तविक उत्पादन उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में क्षमता उत्पादन से काफी कम रहने से, मुद्रास्फीति संबंधी चिंता सामान्यतः नियंत्रित बनी हुई है। किंतु, मुद्रास्फीति कई ईएमई के लिए चिंता उत्पन्न कर रही है।

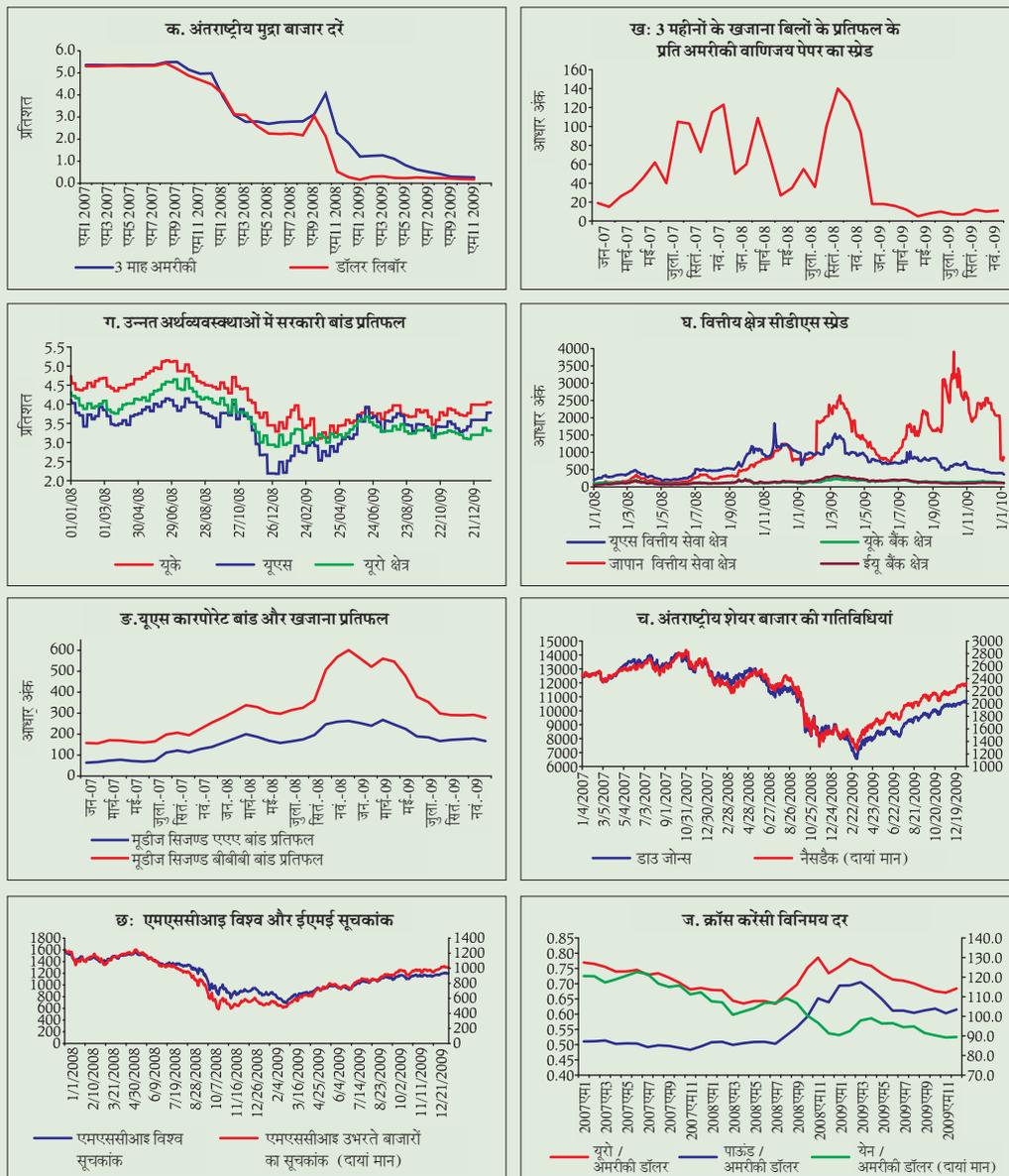
V.4 2009 की ति4 में मुद्रा बाजारों में सुलभ चलनिधि स्थिति जारी रहना वैश्विक संकट के शुरुआती दौर और संकुचित विस्तार के दौरान देखे गए शीर्ष की तुलना में अंतर-बैंक दरों की मात्रा और निरंतरता से स्पष्ट हो जाता है (चार्ट V.1 क और ख)। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के प्रमुख केंद्रीय बैंकों से मिले सकेतों कि ब्याज दरें कम रह सकती हैं, बांड आय कम बनी रही (चार्ट V.1 ग)। किंतु, सरकारी बांडों पर सीडीएस बढ़ गया। वित्तीय क्षेत्र और कंपनी बांडों पर जोखिम की संभावना ति4 में सामान्यतः कम हो गई थी जो वित्तीय क्षेत्र के लिए सीडीएस के कम विस्तार और कंपनी बांड विस्तार में और कमी में देखी गई (चार्ट V.1 घ और ङ)।

V.5 अमरीकी शेयरों ने 2009 की ति3 में 7 प्रतिशत लाभ दर्ज किया जो तुलनात्मक रूप से कम था (चार्ट V.1 च)। उन्नत और ईएमई दोनों में इक्विटी लाभ ति3 की तुलना में ति4 में तुलनात्मक रूप से कम होने

(चार्ट V.1 छ) के बावजूद, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में ईएमई में अधिक लाभ हुआ। ईएमई में आस्ति मूल्यों में लाभ को मजबूत आर्थिक सुधार, कम हुई जोखिम, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में कम ब्याज दर और कम आय दाता मुद्राओं से अधिक आय दाता ईएमई मुद्राओं में कॅरी ट्रेड के रूप में संबंधित विवाचन और अधिक आय की खोज में उभरती बाजार इक्विटियों को मजबूत पूंजी प्रवाह जैसे अनेक कारकों से सहायता प्राप्त हुई थी। ईएमई के लिए एमएससीआइ ने ति3 की तुलना में ति4 के अंत में 8 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की। ईएमई के लिए एमएससीआइ मार्च के अंत और दिसंबर 2009 के अंत के बीच 74 प्रतिशत बढ़ा जिसमें ईएमई के बीच अंतर था (सारणी 5.1)। बाजारों के बीच आस्ति मूल्यों में तेज अस्थिरता का कारण 25 नवंबर 2009 की वह घोषणा थी कि दुबई वर्ल्ड अपनी अवधिपूर्ण हो रही देयताओं पर 'स्टैंडस्टिल' चाहता है। दुबई संकट के जोखिम से मध्य-पूर्व देशों में सीडीएस प्रीमिया तेजी से बढ़ गया।

V.6 विदेशी मुद्रा बाजार में, 2009-10 की पहली छमाही में अमरीकी डॉलर में मूल्यहास की प्रवृत्ति अमरीका को सुरक्षित प्रवाहों में कमी की वापसी, सुगम मौद्रिक नीति की निरंतरता और डॉलर के प्रति बाजार भावना में परिवर्तन के कारण ति3 में भी सामान्यतः जारी रही। किंतु, जनवरी 2010 में कमजोरी के दौर के बाद आर्थिक गतिविधियों में तेजी दिखाने वाले विभिन्न संकेतको के आधार पर डॉलर विशेष रूप से दिसंबर 2009 में प्रमुख मुद्राओं के प्रति मजबूत हुआ। मार्च 2009 के अंत और 20 जनवरी 2010 के बीच अमरीकी डॉलर में यूरो के प्रति 6.8 प्रतिशत, पौंड स्टर्लिंग के प्रति 12.2 प्रतिशत और जापानी येन के

चार्ट V.1 : वैश्विक वित्तीय बाजारों की गतिविधियों के संकेतक



स्रोत : आइएमएफ, सेंट लुईस का फेडरल रिजर्व, और ब्ल्यूमबर्ग

प्रति 7.7 प्रतिशत का मूल्यहास हुआ (चार्ट V.1 च)। अमरीकी डॉलर में ईएमई मुद्राओं के प्रति भी सामान्यतः मूल्यहास हुआ (सारणी 5.1)। अनेक

ईएमई की मुद्राओं पर मूल्यवृद्धि के दबाव से ब्राजी और ताईवान जैसे देशों को पूंजी अंतर्वाहों को रोकने के लिए टोबिन टैक्स के चरों का सहारा लेना पड़ा।

सारणी 5.1: ईएमई में मुद्रा तथा स्टॉक की कीमतों में परिवर्तन

(प्रतिशत)							
मद	अंत- मार्च 08 @	अंत- मार्च 09 @	20 जनवरी 2010*	मद	अंत- मार्च 08 @	अंत- मार्च 09 @	अंत- दिसंबर 2009*
1	2	3	4	1	5	6	7
अमरीकी डॉलर के मूल्य में वृद्धि(+)/गिरावट (-)				स्टॉक की कीमतों में घट-बढ़			
चीनी युआन	-9.3	-2.6	-0.1	इंडोनेशिया (जकार्ता कंपोजिट)	33.7	-41.4	76.7
रूसी रूबल	-9.7	44.3	-12.9	ब्राजील (बोवेसा)	33.1	-32.9	67.6
तुर्की लीरा	-5.8	27.7	-12.7	थाईलैंड (सेट कंपोजिट)	21.3	-47.2	70.2
भारतीय रुपया	-8.3	27.5	-10.5	भारत (बीएसई सेंसेक्स)	19.7	-37.9	79.9
इंडोनेशियाई रुपैयाह	1.1	25.6	-20.3	द.कोरिया (कोसपी)	17.3	-29.2	39.5
मलेशियाई रिंगिट	-7.8	14.4	-8.5	चीन (शांघाई एसई कंपोजिट)	9.1	-31.7	38.1
द.कोरियाई वॉन	5.5	38.9	-18.2	ताइवान (ताइवान इंडेक्स)	8.7	-39.2	57.1
थाई बाथ	-10.2	12.9	-7.4	रूस (आरटीएस)	6.1	-66.4	109.5
अर्जेंटीना पेसो	2.1	17.3	2.4	मलेशिया (केएलएसई कंपोजिट)	0.1	-30.1	45.9
ब्राजिलियन रियाल	-17.0	31.2	-20.8	सिंगापुर (स्ट्रेट्स टाइम्स)	-4.9	-43.5	70.4
मेक्सिकन पेसो	-3.5	32.9	-10.6				
दक्षिण अफ्रीकी रैंड	11.3	17.2	-21.8				

@: वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन।

*: मार्च 2009 की तुलना में परिवर्तन।

देशी वित्तीय बाजार

V.7 देशी वित्तीय बाजारों में विभिन्न बाजार घटकों में कम जोखिम और अधिक मात्रा बनी रही (सारणी 5.2)। 2009-10 की ति3 में, मांग मुद्रा बाजार दर एलएएफ गलियारे के निचले दायरे की ओर बने रहे, हालांकि दिसंबर 2009 और जनवरी 2010 में उनमें कुछ वृद्धि हुई थी। चलनिधि में कमी, जो कि वाणिज्य बैंकों द्वारा रिवर्स रिपो सुविधा में रखे गए तुलनात्मक रूप से कम अधिशेषों से दिखी थी, अनिवार्यतः अग्रिम कर भुगतान का परिणाम थी और इसलिए अस्थायी थी। इसके विपरीत, दीर्घावधि आय में कुछ वृद्धि देखी गई जो सरकारी बांडों की व्यापक आपूर्ति से उत्पन्न हुई थी। इक्विटी मूल्यों में वृद्धि 2009-10 की ति2 की तुलना में ति3 में और बढ़ गई, हालांकि यह थोड़ी ही थी जिसमें मूलभूत और बाह्य आघातों संबंधी समाचारों से कुछ अस्थिरता उत्पन्न हुई थी। विदेशी मुद्रा बाजार में, लेदेन की मात्रा स्थिर बनी रही जिसमें मुद्रा फ्यूचर की मात्रा में लगातार वृद्धि और

पूंजी अंतर्वाह मजबूत हो जाने से 2009-10 की ति3 में रुपए की मूल्यवृद्धि शामिल है।

चलनिधि प्रबंधन

V.8 एलएएफ के तहत दैनिक अवशोषण ति2 की तुलना में ति3 में कम हो जाने के बावजूद 2009-10 की ति3 में चलनिधि की स्थिति आसान बनी रही (सारणी 5.3)। 2009-10 में अब तक कुल एमएसएस राशि मुक्ति और नीलामी आधारित खुले बाजार के परिचालन (ओएमओ) क्रय क्रमशः 81,036 करोड़ रुपए और 57,487 करोड़ रुपए थे। 2009-10 की ति3 में औसत एलएएफ अवशोषण में ति2 की तुलना में कमी आई जिसका मुख्य कारण एमएसएस शोधन और ओएमओ नीलामी की अनुपस्थिति था। इसके अलावा, रिजर्व बैंक में केंद्र सरकार के नकदी शेषों में वृद्धि से एलएएफ के तहत दैनिक अवशोषण कम होने में सहायता मिली। रिवर्स रिपो माध्यम के मार्फत अवशोषण दिसंबर 2009 की दूसरी छमाही में काफी कम हो गया जिसका मुख्य

सारणी 5.2: देशी वित्तीय बाजार - एक नजर में

वर्ष/ माह	मांग मुद्रा		सरकारी प्रतिभृतियां		विदेशी मुद्रा			चलनिधि प्रबंधन		इक्विटी			
	औसत दैनिक पण्यावर्त (करोड़ रुपए)	औसत मांग दर* (प्रतिशत)	सरकारी प्रतिभृतियों में औसत पण्यावर्त (करोड़ रुपए)+	औसत 10 वर्षीय प्रतिलाभ @ (प्रतिशत)	औसत दैनिक अंतर बैंक पण्यावर्त (मिलियन अमरीकी डॉ.)	औसत विनिमय दर (र. प्रति अम- रीकी डॉ.)	रिज़र्व बैंक को निवल विदेशी मुद्रा बिक्री (-)/ खरीद (+) (मिलियन अमरीकी डॉ.)	औसत एमएसएस बकाया # (करोड़ रुपए)	औसत दैनिक रिवर्स रिपो (एलएएफ) बकाया (करोड़ रुपए)	औसत दैनिक बीएसई पण्यावर्त (करोड़ रुपए)	औसत दैनिक एनएसई पण्यावर्त (करोड़ रुपए)	औसत बीएसई सेंसेक्स**	औसत एस एण्डपी सीएनएक्स निफ्टी**
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
2006-07	21.725	7.22	4.863	7.78	18.717	45.28	26.824†	37.698	21.973	3.866	7.812	12277	3572
2007-08	21.393	6.07	8.104	7.91	34.044	40.24	78.203†	1,28,684	4,677	6.275	14,148	16569	4897
2008-09	22.436	7.06	10.879	7.54	34.812	45.92	-2,910†	1,48,889	2,885	4,498	11,272	12303	3713
अप्रै. 2008	19,516	6.11	6.657	8.10	37,580	40.02	4,325	1,70,726	26,359	5,773	13,561	16291	4902
मई 2008	19,481	6.62	8.780	7.94	32,287	42.13	148	1,75,565	11,841	6,084	13,896	16946	5029
जून 2008	21,707	7.75	6.835	8.41	38,330	42.82	-5,229	1,74,433	-8,622	5,410	12,592	14997	4464
जुला. 2008	24,736	8.76	5,474	9.18	37,173	42.84	-6,320	1,72,169	-27,961	5,388	12,862	13716	4125
अग. 2008	23,408	9.10	7,498	9.06	38,388	42.94	1,210	1,71,944	-22,560	4,996	11,713	14722	4417
सितं 2008	23,379	10.52	10,418	8.38	44,700	45.56	-3,784	1,75,666	-42,591	5,147	12,489	13943	4207
अक्तू. 2008	28,995	9.90	8,641	7.84	36,999	48.66	-18,666	1,69,123	-45,612	3,911	10,810	10550	3210
नव. 2008	21,812	7.57	11,732	7.41	31,322	49.00	-3,101	1,47,648	-8,017	3,539	9,618	9454	2835
दिसं 2008	21,641	5.92	22,903	5.88	34,874	48.63	-318	1,24,848	22,294	3,851	10,141	9514	2896
जन. 2009	18,496	4.18	19,136	5.84	27,895	48.83	-29	1,13,535	45,474	3,526	9,559	9350	2854
फर. 2009	22,241	4.16	11,831	5.98	25,068	49.26	230	1,02,934	50,649	2,859	7,887	9188	2819
मार्च 2009	23,818	4.17	10,644	6.58	33,126	51.23	-3,388	88,077	33,360	3,489	10,140	8966	2802
अप्रै. 2009	21,820	3.28	15,997	6.55	27,796	50.06	-2,487	75,146	1,01,561	5,232	15,688	10911	3360
मई 2009	19,037	3.17	14,585	6.41	32,227	48.53	-1,437	45,955	1,25,728	6,427	19,128	13046	3958
जून 2009	17,921	3.21	14,575	6.83	32,431	47.77	1,044	27,140	1,23,400	7,236	21,928	14782	4436
जुला. 2009	14,394	3.21	17,739	7.01	30,638	48.48	-55	22,159	1,30,891	6,043	18,528	14635	4343
अग. 2009	15,137	3.22	9,699	7.18	27,306	48.34	181	19,804	1,28,275	5,825	17,379	15415	4571
सितं 2009	16,118	3.31	16,988	7.25	27,824	48.44	80	18,773	1,21,083	6,211	18,253	16338	4859
अक्तू. 2009	15,776	3.17	12,567	7.33	28,402	46.72	75	18,773	1,01,675	5,700	18,148	16826	4994
नव. 2009	13,516	3.19	17,281	7.33	27,303	46.57	-36	18,773	1,01,719	5,257	16,224	16684	4954
दिसं 2009	13,302	3.24	14,110	7.57	27,431	46.63	-	18,773	68,522	4,671	13,948	17090	5100

* : दैनिक भारत मांग मुद्रा उधारदरों का औसत।

@ : दैनिक अंतिम दरों का औसत।

** : दैनिक अंतिम सूचकांकों का औसत।

एलएएफ : चलनिधि समायोजन सुविधा।

एनएसई : नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि.

टिप्पणी : स्तंभ 10 में (-) चलनिधि समावेशन को और (+) चलनिधि अवशोषण को सूचित करता है।

^ : केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभृतियों में दैनिक पूर्ण पण्यावर्त का औसत

: एमएसएस के साप्ताहिक बकाये का औसत

† : वित्तीय वर्ष के लिए संचयी

एमएसएस : बाजार स्थिरीकरण योजना

बीएसई : बंबई शेयर बाजार लि.

- : उपलब्ध नहीं

कारण अग्रिम कर बहिर्वाह था। केंद्र सरकार के नकदी शेषों में गिरावट और एमएसएस के तहत शोधन के कारण चलनिधि स्थिति जनवरी 2010 में सुगम हो गई। V.9 2009-10 की ति3 में चलनिधि के मुख्य प्रेरक मौसमी मुद्रा मांग में तेजी और केंद्र के अधिशेष शेषों

के निर्माण थे (सारणी 5.4)। अनुकूल चलनिधि स्थिति की निरंतरता को देखते हुए, रिज़र्व बैंक ने 2009-10 की अपनी मौद्रिक नीति की दूसरी तिमाही समीक्षा में 7 नवंबर 2009 से प्रारंभ पखवाड़े से एससीबी के लिए 25 प्रतिशत एसएलआर बहाल किया। विभिन्न

मौद्रिक नीति वक्तव्य
2009-10

समष्टि आर्थिक और
मौद्रिक गतिविधियां
तीसरी तिमाही की समीक्षा
2009-10

सारणी 5.3 : चलनिधि स्थिति

(करोड़ रुपये)

अंतिम शुक्रवार को बकाया	एलएएफ	एमएसएस	केंद्र का अधिशेष @	कुल (2 से 4)	अंतिम शुक्रवार को बकाया	एलएएफ	एमएसएस	केंद्र का अधिशेष @	कुल (6 से 8)
1	2	3	4	5	1	6	7	8	9
2008					2009				
जनवरी	985	1,66,739	70,657	2,38,381	जनवरी	54,605	1,08,764	-9,166	1,54,203
फरवरी	8,085	1,75,089	68,538	2,51,712	फरवरी	59,820	1,01,991	-9,603	1,52,208
मार्च *	-50,350	1,68,392	76,586	1,94,628	मार्च*	1,485	88,077	16,219	1,05,781
अप्रैल	32,765	1,72,444	36,549	2,41,758	अप्रैल	1,08,430	70,216	-40,412	1,38,234
मई	-9,600	1,75,362	17,102	1,82,864	मई	1,10,685	39,890	-6,114	1,44,461
जून	-32,090	1,74,433	36,513	1,78,856	जून	1,31,505	22,890	12,837	1,67,232
जुलाई	-43,260	1,71,327	15,043	1,43,110	जुलाई	1,39,690	21,063	26,440	1,87,193
अगस्त	-7,600	1,73,658	17,393	1,83,451	अगस्त	1,53,795	18,773	45,127	2,17,695
सितंबर	-56,480	1,73,804	40,358	1,57,682	सितंबर	1,06,115	18,773	80,775	2,05,663
अक्टूबर	-73,590	1,65,187	14,383	1,05,980	अक्टूबर	84,450	18,773	69,391	1,72,614
नवंबर	-9,880	1,32,531	7,981	1,30,632	नवंबर	94,070	18,773	58,460	1,71,303
दिसंबर	14,630	1,20,050	3,804	1,38,484	दिसंबर	19,785	18,773	1,03,438	1,41,996
					2010				
					जनवरी (15)	80,780	7,737	60,121	1,48,638

@ : अधिशेष के मामले में रिजर्व बैंक स्थित न्यूनतम नकदी शेष को छोड़ कर।

* : आंकड़े 31 मार्च से संबंधित हैं।

टिप्पणी : 1. एलएएफ के तहत ऋणात्मक चिह्न एलएएफ के माध्यम से चलनिधि समावेशन दर्शाता है।

2. 17 सितंबर 2008 से 5 मई 2009 तक दैनिक आधार पर संचालित किये जा रहे दूसरे एलएएफ को 8 मई 2009 से रिपोर्ट करने के लिए नियत शुक्रवार को ही संचालित किया जा रहा है।

3. केंद्र के अधिशेष के तहत ऋणात्मक चिह्न डब्ल्यूएमए/ओडी दर्शाता है।

सुविधाओं का उपयोग ध्यान में लेते हुए और बाजार की चलनिधि स्थिति को हिसाब में लेते हुए, बैंकों की फोरेक्स स्वैप सुविधा और विशेष अवधि की रिपो सुविधा तत्काल प्रभाव से समाप्त की गई; इन सुविधाओं के तहत क्रमशः 17 अगस्त 2009 और 16 नवंबर 2009 से कोई भी शेष बकाया नहीं है।

V.10 सरकारी बाजार उधार को अबाध पद्धति से प्रबंधित करने के लिए, रिजर्व बैंक ने 2009-10 की पहली छमाही के लिए ओएमओ कार्यक्रम के तहत 80,000 करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियों के क्रय की मंशा प्रकट की थी जिसमें से 57,487 करोड़ रुपए का क्रय सितंबर

2009 तक किया गया था। 2009-10 की दूसरी छमाही के लिए रिजर्व बैंक ने ओएमओ का आयोजन आवश्यकतानुसार करने का निर्णय लिया।

मुद्रा बाजार

V.11 मुद्रा बाजार 2009-10 की ति3 में निरंतर व्यवस्थित बना रहा। अधिशेष चलनिधि स्थिति दर्शाते हुए, मांग दर 2009-10 की ति3 में अनौपचारिक एलएएफ गलियारे के निचले दायरे में बना रहा (चार्ट V.2क)। मुद्रा बाजार के संपार्श्विकीकृत खंड में ब्याज दरें - बाजार रिपो (एलएएफ के बाहर) और

सारणी 5.4: रिज़र्व बैंक के चलनिधि प्रबंधन कार्य

मद	2008-09				2008-09	2009-10		
	ति1	ति2	ति3	ति4	अप्रै.-मार्च	ति1	ति2	ति3
1	2	3	4	5	6	7	8	9
क. चलनिधि के प्रेरक कारक (1+2+3+4)	6,061	-18,851	-1,01,278	-53,641	-1,67,709	-44,600	-46,367	-89,870
1. प्राधिकृत व्यापारियों से भारिबैंक का निवल क्रय	-8,555	-40,249	-1,12,168	-17,620	-1,78,592	-15,874	2,523	436
2. जनता के पास मुद्रा	-30,063	12,360	-40,070	-40,147	-97,921	-18,180	-8,874	-43,256
3. क. रिज़र्व बैंक में केंद्र का नकदी अधिशेष ख. अर्थोपाय अग्रिम और ओवरड्राफ्ट	40,073	-3,845	36,554	-12,415	60,367	3,382	-67,938	-22,663
4. अन्य (अवशिष्ट)	4,606	12,884	14,406	16,541	48,437	-13,928	29,921	-24,346
ख. चलनिधि प्रबंधन (5+6+7+8)	-37,659	7,217	1,33,325	1,32,326	2,35,209	-21,674	62,376	1,12,734
5. एलएएफ रेपो का चलनिधि प्रभाव	-18,260	24,390	-71,110	13,145	-51,835	-1,30,020	25,390	86,330
6. ओएमओ* (निवल) का चलनिधि प्रभाव	14,642	11,949	10,681	67,208	1,04,480	43,159	32,869	3,540
7. एमएसएस का चलनिधि प्रभाव	-6,041	628	53,754	31,973	80,314	65,187	4,117	0
8. सीआरआर परिवर्तन के पहले चक्र का प्रभाव	-28,000	-29,750	1,40,000	20,000	1,02,250	0	0	0
ग. बैंक का रिज़र्व # (क+ख)	-31,598	-11,634	32,047	78,685	67,500	-66,274	18,009	22,865

(+) : बैंकिंग प्रणाली में अंतर्वेशन सूचित करता है

(-) : बैंकिंग प्रणाली में चलनिधि का अवशोषण सूचित करता है

* : तेल बांड शामिल हैं, लेकिन राज्य सरकारों की ओर से खरीदी गयी प्रतिभूतियां शामिल नहीं हैं

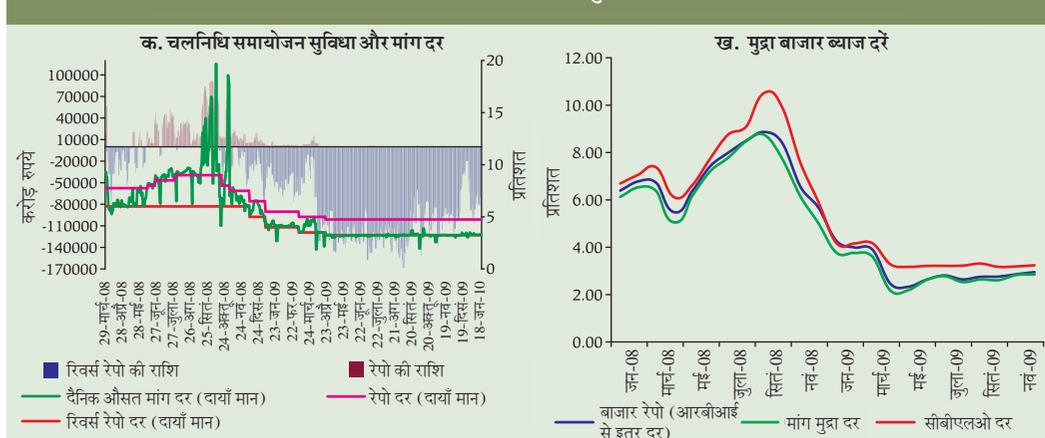
: बैंकों की वॉल्ट नकदी शामिल है एवं सीआरआर में परिवर्तन के कारण पहले चक्र का चलनिधि प्रभाव समायोजित

टिप्पणी : आंकड़े 31 मार्च के हैं और अन्य सभी महानों के आंकड़े अंतिम शुक्रवार के हैं

संपार्श्विकीकृत उधार लेने और उधार देने के दायित्व (सीबीएलओ) - 2009-10 की ति3 में मांग दर के अनुरूप चले किंतु उससे कम बने रहे (चार्ट V.2ख)। V.12 सीबीएलओ और बाजार रिपो घटक की लेनदेन मात्रा 2009-10 की ति3 में लगातार ऊंची बनी रही

जो आसान चलनिधि और सक्रिय बाजार स्थिति दर्शाती है (सारणी 5.5)। बैंक एक समूह के रूप में संपार्श्विकीकृत खंड में मुख्य उधारकर्ता बने रहे जबकि पारस्परिक निधियां (एमएफ) इस खंड में एकल मुख्य निधि उधारदाता बनी रहीं। वस्तुतः, संपार्श्विकीकृत खंड

चार्ट V.2 : चलनिधि की स्थिति और मुद्रा बाजार की ब्याज दरें



मौद्रिक नीति वक्तव्य
2009-10

समष्टि आर्थिक और
मौद्रिक गतिविधियां
तीसरी तिमाही की समीक्षा
2009-10

सारणी 5.5: मुद्रा बाजार खंडों की गतिविधियाँ

(करोड़ रुपये)

वर्ष/माह	औसत दैनिक मात्रा (एक चरण)					वाणिज्यिक पत्र		जमा प्रमाणपत्र		
	मांग	बाजार रेपो	सीबीएलओ	कुल (2+3+4)	मुद्रा बाजार दर* (प्रतिशत)	मीयादी मुद्रा	बकाया	डब्ल्यूएडी आर (प्रतिशत)	बकाया	डब्ल्यूएडी आर (प्रतिशत)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
अप्रैल-08	9,758	14,966	38,828	63,552	5.31	374	37,584	8.85	1,50,865	8.49
मई-08	9,740	14,729	36,326	60,795	6.29	420	42,032	9.02	1,56,780	8.95
जून-08	10,854	11,262	35,774	57,890	7.35	253	46,847	10.03	1,63,143	9.16
जुलाई-08	12,368	8,591	23,669	44,628	8.09	226	51,569	10.95	1,64,892	10.23
अगस्त-08	11,704	10,454	22,110	44,268	8.65	501	55,036	11.48	1,71,966	10.98
सितंबर-08	11,690	10,654	20,547	42,891	9.26	335	52,038	12.28	1,75,522	11.56
अक्टूबर-08	14,497	9,591	16,818	40,906	8.66	345	48,442	14.17	1,58,562	10.00
नवंबर-08	10,906	15,191	24,379	50,476	6.58	319	44,487	12.42	1,51,493	10.36
दिसंबर-08	10,820	16,943	32,261	60,024	5.37	415	40,391	10.70	1,51,214	8.85
जनवरी-09	9,248	18,053	31,794	59,095	3.99	454	51,668	9.48	1,64,979	7.33
फरवरी-09	11,121	19,929	38,484	69,534	3.89	669	52,560	8.93	1,75,057	6.73
मार्च-09	11,909	21,593	48,319	81,821	3.76	451	44,171	9.79	1,92,867	7.53
अप्रैल-09	10,910	20,545	43,958	75,413	2.41	332	52,881	6.29	2,10,954	6.48
मई-09	9,518	22,449	48,505	80,472	2.34	338	60,740	5.75	2,18,437	6.20
जून-09	8,960	21,694	53,553	84,207	2.69	335	68,721	5.00	2,21,491	4.90
जुलाई-09	7,197	20,254	46,501	73,952	2.83	389	79,582	4.71	2,40,395	4.96
अगस्त-09	7,569	23,305	57,099	87,973	2.62	461	83,026	5.05	2,32,522	4.91
सितंबर-09	8,059	27,978	62,388	98,425	2.73	381	79,228	5.04	2,16,691	5.30
अक्टूबर-09	7,888	23,444	58,313	89,645	2.70	225	98,835	5.06	2,27,227	4.70
नवंबर-09	6,758	22,529	54,875	84,162	2.87	191	1,03,915	5.17	2,45,101	4.86
दिसंबर-09	6,651	20,500	55,338	82,489	2.91	289	-	-	2,43,584+	4.84+

* : मांग, बाजार रेपो और सीबीएलओ की भारत औसत दर + : 4 दिसंबर 2009 को
डब्ल्यूएडीआर : भारत औसत बड़ा दर

में 75 प्रतिशत से अधिक उधार ति3 में एमएफ द्वारा दिया गया था जो उनकी लगातार बढ़ी हुई उधार क्षमता दर्शाता है। संपार्श्विकीकृत बाजार मुद्रा बाजार का लगातार प्रमुख खंड बना रहा 2009-10 की ति3 में मुद्रा बाजार में इसका हिस्सा 80 प्रतिशत से अधिक था।

जमा प्रमाणपत्र

V.13 चलनिधि की स्थिति सुगम हो जाने से, जमा प्रमाणपत्रों (सीडी) का पाक्षिक औसत निर्गम 2009-10 में अब तक तेज हो गया (सारणी V.5 देखें)। निर्गमित अधिकतर सीडी छह माह से अधिक अवधि के थे।

वाणिज्यिक पत्र

V.14 2009-10 में, वाणिज्यिक पत्र (सीपी) बाजार भी तेज हो गया और पाक्षिक निर्गम का आकार भी चलनिधि की स्थिति सुगम रहने से और कंपनियों की कार्यशील पूंजी की मांग में वृद्धि होने से बढ़ गया (सारणी 5.5 और 5.6 देखें)।

खजाना बिल

V.15 राजकोषीय वर्ष 2008-09 में बढ़ी हुई राशि के लिए निर्गमित खजाना बिल आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से 2009-10 की पहली तीन तिमाहियों में रोल ओवर किए गए। चौथी तिमाही के लिए यह निर्णय लिया गया था कि अवधिपूर्ण हो रहे खजाना बिलों की पूरी विनिर्दिष्ट राशि को रोल ओवर किया जाए। किंतु, कम नीतिगत दरों और

सारणी 5.6: वाणिज्यिक पत्र - प्रमुख जारीकर्ता

जारीकर्ता का संवर्ग	निम्नलिखित के अंत में						
	(करोड़ रुपये)						
	जून -08	सितं-08	दिसं-08	मार्च -09	जून -09	सितं-09	नवं.-09
1	2	3	4	5	6	7	8
पट्टेदारी तथा वित्तपोषण	34,957 (76.6)	39,053 (75.0)	27,965 (73.5)	27,183 (61.5)	34,437 (50.1)	31,648 (40.0)	39,514 (38.0)
विनिर्माण	8,150 (17.4)	9,925 (19.1)	6,833 (18.0)	12,738 (28.9)	23,454 (34.1)	31,509 (40.0)	46,455 (44.7)
वित्तीय संस्थाएँ	3,740 (8.0)	3,060 (5.9)	3,257 (8.5)	4,250 (9.6)	10,830 (15.8)	16,071 (20.0)	17,946 (17.3)
कुल	46,847	52,038	38,055	44,171	68,721	79,228	1,03,915

टिप्पणी : कोष्ठक में दिये गये आँकड़े कुल में प्रतिशत हिस्सा हैं

मुद्रा बाजार में प्रचुर चलनिधि का प्रभाव दर्शाते हुए पहली छमाही में कम रही प्राथमिक बाजार की आत बाद में काफी बढ़ गई जो सरकारी प्रतिभूतियों की निरंतर व्यापक आपूर्ति और बाजार की स्थिति दर्शाती है (सारणी 5.7)।

सारणी 5.7 : प्राथमिक बाजार में खजाना बिल

वर्ष/माह	अधिसूचित राशि (करोड़ रुपये)	न्यूनतम कट-ऑफ मूल्य पर औसत निहित प्रतिफल (प्रतिशत)			औसत बिड-कवर अनुपात		
		91-दिवसीय	182-दिवसीय	364-दिवसीय	91-दिवसीय	182-दिवसीय	364-दिवसीय
		3	4	5	6	7	8
1	2	3	4	5	6	7	8
2007-08	2,24,500	7.10	7.40	7.42	2.84	2.79	3.21
2008-09	2,99,000	7.10	7.22	7.15	3.43	2.91	3.47
अप्रैल 2008	26,000	7.28	7.41	7.53	2.64	3.17	2.36
मई 2008	17,000	7.41	7.55	7.61	2.92	2.73	3.43
जून 2008	11,500	8.01	8.42	7.93	2.45	2.76	2.80
जुलाई 2008	21,000	9.07	9.33	9.39	2.84	2.72	3.52
अगस्त 2008	18,500	9.15	9.31	9.24	2.99	2.86	4.24
सितंबर 2008	25,000	8.74	8.92	8.83	3.06	3.04	3.57
अक्टूबर 2008	35,000	8.13	8.36	7.92	1.95	2.42	4.00
नवंबर 2008	28,000	7.30	7.13	7.23	2.40	2.97	3.51
दिसंबर 2008	18,000	5.49	5.35	5.47	7.01	4.67	5.59
जनवरी 2009	37,000	4.69	4.60	4.55	2.30	3.22	3.54
फरवरी 2009	32,000	4.78	4.71	4.62	2.81	1.86	2.62
मार्च 2009	30,000	4.77	4.86	5.25	2.60	2.67	1.44
2009-10							
अप्रैल 2009	39,000	3.81	4.11	4.07	3.22	2.79	5.07
मई 2009	29,000	3.26	3.54	3.58	3.18	2.25	3.14
जून 2009	22,500	3.35	3.56	3.99	3.37	5.65	2.86
जुलाई 2009	40,000	3.23	3.45	3.76	3.92	2.86	3.90
अगस्त 2009	28,000	3.35	3.84	4.25	3.04	2.18	3.76
सितंबर 2009	32,000	3.35	3.94	4.47	3.67	4.17	4.05
अक्टूबर 2009	36,000	3.23	4.01	4.57	3.15	3.88	2.86
नवंबर 2009	30,000	3.28	3.78	4.49	3.50	3.59	3.36
दिसंबर 2009	26,500	3.57	4.08	4.63	3.12	2.99	4.10
जनवरी 2010 *	25,000	3.81	4.13	4.67	1.86	3.60	4.50

* : 22 जनवरी 2010 तक।

टिप्पणी : विनिर्दिष्ट राशि में एमएसएस के तहत के निर्गम शामिल हैं।

सरकारी प्रतिभूति बाजार

V.16 2009-10 में (22 जनवरी 2010 तक), सरकार ने दिनांकित प्रतिभूतियों के निर्गम के माध्यम से (एमएसएस शेषों की मुक्ति के माध्यम से जुटाई गई राशि सहित) अनुमानित उधार कार्यक्रम का बड़ा भाग (95.5 प्रतिशत) पूरा किया। सरकार की उधार अपेक्षाओं में वृद्धि और दूसरी तिमाही में ऋण में अपेक्षित तेजी को देखते हुए, बाजार उधार कार्यक्रम का अधिकतर हिस्सा वर्ष के प्रारंभ में ही पूरा किया गया था। कट ऑफ आय 2009-10 में (अप्रैल 2009-जनवरी 2010) में कम थी जो प्रचुर बाजार चलनिधि दर्शाती है (सारणी 5.8)। वर्ष में, कट ऑफ आय में लगातार वृद्धि बनी रही जो सरकारी प्रतिभूतियों की लगातार भारी आपूर्ति दर्शाती है। पांच वर्ष के अंतराल के बाद, रिजर्व बैंक ने 2,000 करोड़ रुपए की विनिर्दिष्ट राशि के लिए दिसंबर 2009 में अस्थिर दर के बांड जारी किए।

V.17 2009-10 में (21 जनवरी 2010 तक) सत्ताईस राज्य सरकारों के लिए भारत सरकार से प्राप्त बाजार उधार की स्वीकृति (सकल) 1,28,116 करोड़ रुपए थी। 2009-10 के वार्षिक नीतिगत वक्तव्य में राज्यों के निवल

बाजार उधार 1,26,000 करोड़ रुपए अनुमानित थे जो बाद में बढ़ाकर 1,40,000 करोड़ रुपए किए गए। उधार कार्यक्रम का एक बड़ा भाग पहले ही सुगमतापूर्वक पूरा हो गया है (सारणी 5.8)।

V.18 व्यापक राजकोषीय घाटे और स्फीतिकारी दबावों की चिंता से आय कड़ाई की प्रवृत्ति से व्यापक दायरे में रही (चार्ट V.3क)। सरकारी प्रतिभूतियों पर बेंचमार्क 10-वर्षीय आय ति3 में कड़ी हो गई जो सरकारी बांडों की भारी आपूर्ति के कारण सरकारी प्रतिभूतियों की कारोबार वृद्धि से दिखी (चार्ट V.3ख)।

V.19 सरकारी बांड आय में वृद्धि के अनुरूप, 5-वर्षीय एएए-श्रेणी प्राप्त कंपनी बांड आय 2009-10 की ति2 में कड़ी होने लगी थी और ति3 में भी उसमें यह प्रवृत्ति बनी रही। किंतु, कंपनी बांडों पर जोखिम विस्तार कम होकर संकट-पूर्व स्तर पर आ गया।

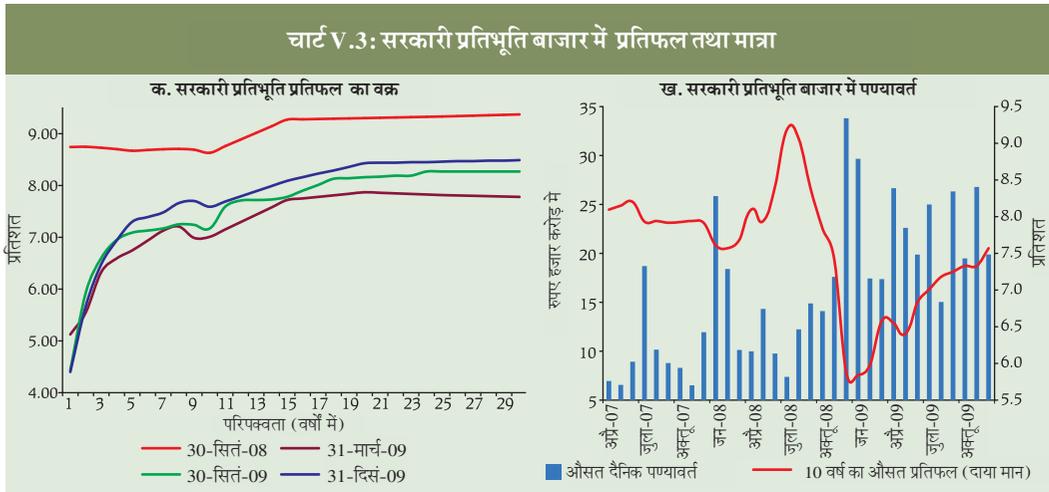
ऋण बाजार

V.20 विद्यमान प्रचुर बाजार चलनिधि और कम ब्याज दर के माहौल की अनुक्रिया में, एससीबी ने मार्च 2009-

सारणी 5.8: केन्द्र और राज्य सरकार दिनांकित प्रतिभूतियों के निर्गम

	2007-08	2008-09	2008-09*	2009-10#
1	2	3	4	5
केन्द्र सरकार				
उगाही गयी सकल राशि (करोड़ रुपये)	1,56,000	2,73,000	1,90,000	4,03,000
पुनःनिर्गम	34	52	36	95
नया निर्गम	1	4	3	7
बिड-कवर अनुपात (दायरा)	1.6-4.8	1.7-4.5	1.2-3.9	1.4-4.3
भारत औसत परिपक्वता (वर्ष)	14.9	13.8	14.6	11.2
भारत औसत प्रतिफल (प्रतिशत)	8.12	7.69	8.03	7.23
प्राथमिक व्यापारियों पर भार (करोड़ रुपये)	957	10,773	4,764	7,220
राज्य सरकार				
उगाही गयी सकल राशि (करोड़ रुपये)	67,779	1,18,138	52,843	1,08,267
कट-ऑफ प्रतिफल	7.84-8.90	5.80-9.90	5.80-9.90	7.04-8.49
भारत औसत प्रतिफल (प्रतिशत)	8.25	7.87	7.74	8.04

#: 22 जनवरी 2010 तक। *: 22 जनवरी 2009 तक।



15 जनवरी 2010 के बीच विभिन्न अवधिपूर्णाताओं के लिए अपनी जमा दरें 25-275 आधार अंक कम कर दीं

(सारणी 5.9)। बैंको के लिए कम लागत की निधि का प्रभाव बैंक ऋणों पर ब्याज दरों पर भी अंतरित हुआ

सारणी 5.9 : जमा और उधार दरें

(प्रतिशत)

	मार्च 2008	मार्च 2009	जून 2009	सित्त. 2009	दिस. 2009	जनवरी 2010@
1	2	3	4	5	6	7
1. देशी जमा दर						
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक						
1 वर्ष तक	2.75-8.50	2.75-8.25	1.00-7.00	1.00-6.75	1.00-6.25	1.00-6.25
> 1 से 3 वर्ष	8.25-9.25	8.00-9.25	6.50-8.00	6.50-7.50	6.00-7.25	6.00-7.25
> 3 वर्ष से ऊपर	8.00-9.00	7.50-9.00	7.00-8.50	6.50-8.00	6.25-7.75	6.25-7.75
निजी क्षेत्र के बैंक						
1 वर्ष तक	2.50-9.25	3.00-8.75	2.00-7.50	2.00-7.00	2.00-6.75	2.00-6.50
> 1 से 3 वर्ष	7.25-9.25	7.50-10.25	6.00-8.75	5.25-8.00	5.25-7.50	5.25-7.50
> 3 वर्ष से ऊपर	7.25-9.75	7.50-9.75	6.00-9.00	5.75-8.25	5.75-8.00	5.75-8.00
विदेशी बैंक						
1 वर्ष तक	2.25-9.25	2.50-8.50	1.80-8.00	1.25-8.00	1.25-7.00	1.25-7.00
> 1 से 3 वर्ष	3.50-9.75	2.50-9.50	2.25-8.50	2.25-8.50	2.25-7.75	2.25-7.75
> 3 वर्ष से ऊपर	3.60-9.50	2.50-10.00	2.25-9.50	2.25-8.50	2.25-8.50	2.25-8.50
2. बीपीएलआर						
1. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक	12.25-13.50	11.50-14.00	11.00-13.50	11.00-13.50	11.00-13.50	11.00-13.50
2. निजी क्षेत्र के बैंक	13.00-16.50	12.75-16.75	12.50-16.75	12.50-16.75	12.50-16.75	12.50-16.75
3. विदेशी बैंक	10.00-15.50	10.00-17.00	10.50-16.00	10.50-16.00	10.50-16.00	10.50-16.00
3. वास्तविक उधार दर*						
1. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक	4.00-17.75	3.50-18.00	3.50-17.50	4.25-18.00	—	—
2. निजी क्षेत्र के बैंक	4.00-24.00	4.75-26.00	4.10-26.00	3.00-29.50	—	—
3. विदेशी बैंक	5.00-28.00	5.00-25.50	2.76-25.50	3.73-21.99	—	—

* : 2 लाख रुपय से अधिक के नियतितर मांग और सावधि ऋण पर ब्याज दर, दोनों छोर की अंतिम पांच प्रतिशत उधार दरों को छोड़कर।
@ : 15 जनवरी 2010 को
- : उपलब्ध नहीं

और उक्त अवधि में एससीबी के बेंचमार्क मूल उधार दर (बीपीएलआर) में 25-100 आधार अंकों की कमी हुई। सभी एससीबी के लिए सब-बीपीएलआर उधार का हिस्सा (निर्यात ऋण और लघु ऋण छोड़कर) मार्च 2009 के 66.9 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर 2009 में 70.4 प्रतिशत हो गया।

V.21 समग्र अनुकूल ब्याज दर माहौल के बावजूद, वाणिज्यिक क्षेत्र के प्रति बैंक ऋण में वृद्धि 2009-10 की पहली तीन तिमाहियों में निरंतर कम होती रही जिसका कारण अर्थव्यवस्था में कम उपभोग और निवेश मांग, कंपनियों द्वारा बैंकेतर निधि के पक्ष में निधि का प्रतिस्थापन और बाह्य उधार तथा कंपनियों के आंतरिक संसाधनों का उपयोग जैसे अनेक कारक थे। फिर भी, नवंबर 2009 से ऋण वृद्धि में सुधार प्रतीत हुआ।

विदेशी मुद्रा बाजार

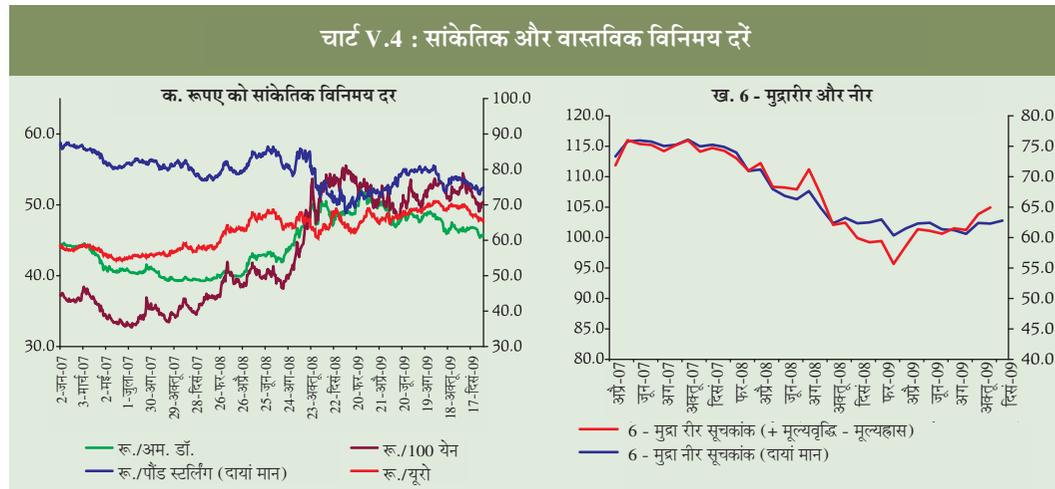
V.22 2009-10 में अब तक (21 जनवरी 2010 तक), निरंतर पूंजी अंतर्वाहों, भारतीय अर्थव्यवस्था के वृद्धि

निष्पादन में सुधार और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अमरीकी डॉलर की सामान्य कमजोरी के चलते अमरीकी डॉलर के प्रति रुपया सामान्य रूप से मजबूत हुआ (चार्ट V.4क)।

V.23 औसत 6-मुद्रीय व्यापार आधारित आरईईआर (आधार: 1993-94=100) में अप्रैल-नवंबर 2009 में 9.7 प्रतिशत मूल्यवृद्धि हुई जिसका मुख्य कारण अमरीकी डॉलर के प्रति रुपए में मूल्यवृद्धि होना और भारत और इसके व्यापारी भागीदारों के बीच स्फीतिकारी अंतर बढ़ना था (चार्ट V.4क)। व्यापक नाप के संदर्भ में, उक्त अवधि में 36-मुद्रीय व्यापार आधारित आरईईआर में 5.6 प्रतिशत मूल्यवृद्धि हुई। 21 जनवरी 2010 को 6-मुद्रीय व्यापार आधारित आरईईआर 109.3 था।

V.24 मजबूत पूंजी प्रवाहों से बाजार में आपूर्ति की स्थिति आसान होना दर्शाते हुए, वायदा प्रीमिया ने अप्रैल-जनवरी 2009-10 में (15 जनवरी तक) सामान्यतः गिरावटी रुख दिखाया जिसमें अगस्त, अक्तूबर और

चार्ट V.4 : सांकेतिक और वास्तविक विनिमय दरें



सारणी 5.10 : भारतीय रुपये की सांकेतिक और वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (व्यापार - आधारित भारांक आधार: 1993-94 = 100)

वर्ष / माह	6-मुद्रा भारांक		36-मुद्रा भारांक	
	नीर	रीर	नीर	रीर
1	2	3	4	5
2007-08	74.76	114.23	93.91	104.81
2008-09 (अ)	64.87	104.47	84.67	94.32
दिसंबर 2008(अ)	62.35	99.93	82.47	90.01
जनवरी 2009(अ)	62.49	99.23	82.27	89.80
फरवरी 2009(अ)	62.97	99.43	83.84	90.59
मार्च 2009(अ)	60.35	95.68	80.75	88.05
अप्रैल 2009(अ)	61.49	98.58	83.61	87.67
मई 2009(अ)	62.31	101.37	84.43	89.75
जून 2009(अ)	62.43	101.11	84.77	90.26
जुलाई 2009(अ)	61.36	100.64	83.39	89.76
अगस्त 2009(अ)	61.22	101.52	83.08	90.27
सितंबर 2009(अ)	60.61	101.25	82.12	90.06
अक्टूबर 2009(अ)	62.40	103.84	84.29	92.00
नवंबर 2009(अ)	62.30	104.94	84.25	92.98
प्रतिशत परिवर्तन				
	2007-08	2008-09 (अ)	2008-09 (अप्रैल-नवंबर)	2009-10 (अप्रैल-नवंबर)
36-रीर	6.4	-10.0	-9.6	5.6
36-नीर	9.3	-9.8	-7.4	4.3
6-रीर	8.2	-8.5	-7.7	9.7
6-नीर	7.6	-13.2	-10.8	3.2
रुपए / अमरीकी डॉलर	12.5	-12.4	-18.3 *	10.8 *

एनईईआर : सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर।
आरईईआर : वास्तविक प्रभावी विनिमय दर।
अ:अर्न्तम * : 21 जनवरी तक
टिप्पणी : 1. 2008-09 के आगे के आंकड़े अर्न्तम हैं।
2. सूचकांक में वृद्धि रुपए की मजबूती और उसके विपरित दर्शाती है।

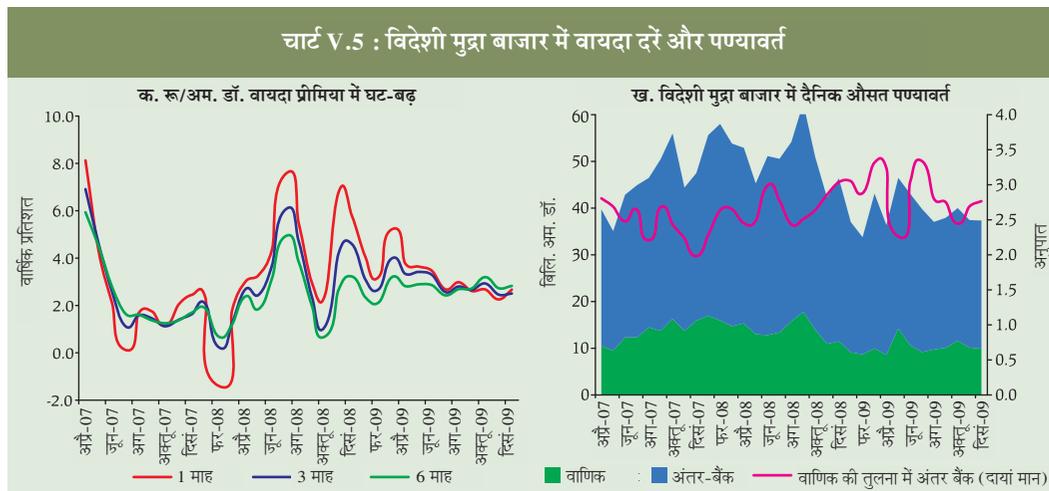
दिसंबर 2009 में विरामी कड़ाई आई थी जो निहित मांग स्थिति दर्शाती है (चार्ट V.5क)। दैनिक औसत विदेशी मुद्रा बाजार कारोबार ने जून-दिसंबर 2009 में सामान्यतः गिरावट दर्ज की (चार्ट V.5ख)।

इक्विटी बाजार

V.25 वित्तीय वर्ष में अब तक, भारतीय इक्विटी बाजार ने 80 प्रतिशत वृद्धि और तुलनात्मक रूप से कम अस्थिरता से अधिकांश ईएमई से बेहतर निष्पादन दर्शाया (सारणी 5.11)।

प्राथमिक बाजार

V.26 देशी पूंजी बाजार के प्राथमिक बाजार खंड में गतिविधियों में 2009-10 की ति1 में कमी रहने के बाद ति3 में सुधार के चिह्न दिखे। संचयी रूप से, सरकारी निर्गमों के माध्यम से जुटाए गए संसाधन अप्रैल-दिसंबर 2009 में काफी बढ़ गए (सारणी 5.12)। निजी स्थानन के माध्यम से जुटाए गए संसाधन अप्रैल-सितंबर 2009 में 69.0 प्रतिशत बढ़कर 1,67,244 करोड़ रुपए हो गए।



मौद्रिक नीति वक्तव्य
2009-10

समष्टि आर्थिक और
मौद्रिक गतिविधियां
तीसरी तिमाही की समीक्षा
2009-10

सारणी 5.11 : शेयर बाजार संकेतक

संकेतक	बीएसई				एनएसई			
	2007-08	2008-09	अप्रैल- दिसंबर		2007-08	2008-09	अप्रैल- दिसंबर	
			2008-09	2009-10			2008-09	2009-10
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1. बीएसई सेसेक्स/एसएंडपी सीएनएक्स निफ्टी								
(i) अवधि के अंत में	15644	9709	9647	17465	4735	3021	2959	5201
(ii) औसत	16569	12366	13388	15151	4897	3731	4021	4527
2. परिवर्तन का गुणांक	13.7	24.2	20.4	12.6	14.5	23.2	19.8	11.9
3. कीमत-अर्जन अनुपात (अवधि के अंत में)	20.1	13.7	12.4	22.4	20.6	14.3	13.0	23.2
4. मुल्य-पुस्तकी मुल्य अनुपात (अवधि के अंत में)	5.2	2.7	2.6	4.2	5.1	2.5	2.4	3.7
5. प्रतिफल (प्रतिवर्ष प्रतिशत) (अवधि के अंत में)	1.1	1.8	1.8	1.1	1.1	1.9	1.9	1.0
6. सूचीबद्ध कंपनियां	4,887	4,929	4,921	4,955	1,381	1,432	1,428	1,453
7. नकदी खंड पण्यवर्त (करोड़ रुपए)	15,78,856	11,00,074	9,05,445	10,79,436	35,51,038	27,52,023	22,08,183	32,68,192
8. डेरिवेटिव खंड (करोड़ रुपए)	2,42,308	12,268	12,245	14	1,30,90,478	1,10,10,482	84,80,063	1,30,35,344
9. बाजार पूँजीकरण (हजार करोड़ रुपये) @	51,38,015	30,86,076	31,44,768	60,79,892	48,58,122	28,96,194	29,16,768	56,99,637
10. जीडीपी की तुलना में बाजार पूँजीकरण अनुपात (प्रतिशत)	108.8	58.0	59.1	103.8	102.9	54.4	54.8	97.3

@: अवधि के अंत में

स्रोत : बंबई शेयर बाजार लि. (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. (एनएसई)

V.27 अप्रैल-दिसंबर 2009 में, चलनिधि स्थिति अनुकूल आने से पारस्परिक निधियों द्वारा जुटाए गए निवल बनी रहने और शेयर बाजारों में काफी अच्छी स्थिति संसाधन भी बढ़े (सारणी 5.13)।

सारणी 5.12 : प्राथमिक बाजार से संसाधन संग्रहण

(करोड़ रुपये)

संवर्ग	निर्गमों की संख्या		राशि	
	2008-09 (अप्रैल-दिसंबर)		2009-10 (अप्रैल-दिसंबर)	
	2	3	4	5
अ. विवरणिका और राइट निर्गम*				
1. निजी क्षेत्र (क+ख)	40	14,007	37	13,301
क) वित्तीय	1	448	2	313
ख) गैर वित्तीय	39	13,559	35	12,988
2. सार्वजनिक क्षेत्र (क+ख+ग)	-	-	2	6,803
क) सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम	-	-	-	-
ख) सरकारी कंपनियां	-	-	2	6,803
ग) बैंक / वित्तीय संस्थाएं	-	-	-	-
3. कुल (1+2)	40	14,007	39	20,104
जिनमें से :				
(i) इक्विटी	40	14,007	38	19,924
(ii) ऋण	-	-	1	180
आ. यूरो निर्गम	12	4,686	13	15,164

* : बिक्री प्रस्तावों को छोड़ कर - : शून्य / नगण्य

सारणी 5.13: म्यूचुअल फंडों द्वारा संसाधन संग्रहण

श्रेणी	अप्रैल-मार्च		अप्रैल-दिसंबर			
	2008-09		2008-09		2009-10	
	निवल संग्रहण@	निवल आस्तिया #	निवल संग्रहण@	निवल आस्तिया #	निवल संग्रहण@	निवल आस्तिया #
1	2	3	4	5	6	7
निजी क्षेत्र	-34,017	3,35,528	-39,942	3,30,731	1,08,170	5,24,391
सरकारी क्षेत्र *	5,721	81,772	9,510	82,634	33,469	1,40,755
जोड़	-28,296	4,17,300	-30,432	4,13,365	1,41,639	6,65,146

(करोड़ रुपए)

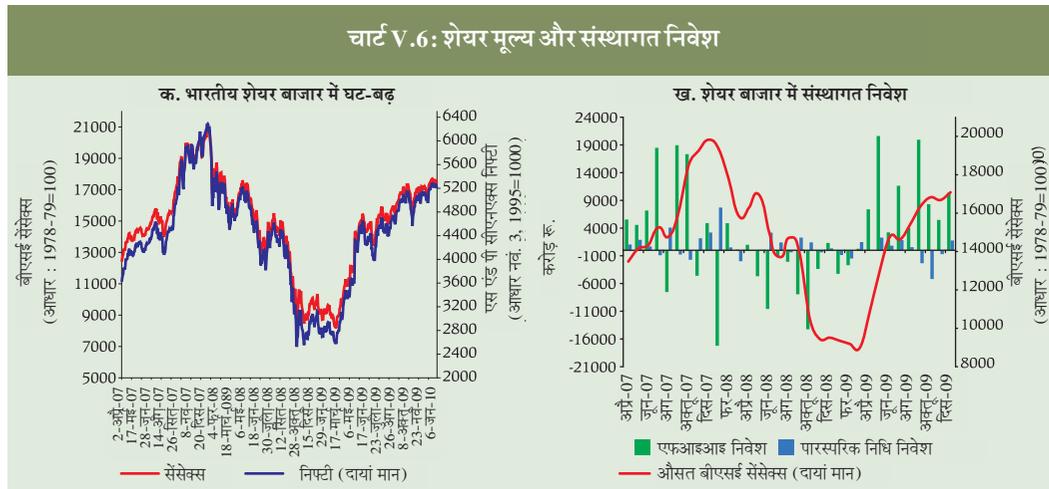
@: चुकौती घटाकर #: अवधि के अंत में * : यूटीआइ म्यूचुअल फंडों सहित।
टिप्पणी : निधि और निधि योजनाओं के अंतर्गत निधि संग्रहण को छोड़कर।
स्रोत : भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

गौण बाजार

V.28 बाजार भावना 2009-10 की ति3 में निरंतर सकारात्मक बनी रही। दिसंबर 2009 के अधिकांश हिस्से में गिरावट के बाद, वृद्धि संबंधी आशावाद सरकार की विनिवेश योजना के चलते दिसंबर के अंतिम सप्ताह में बाजारों में तेजी आ गई। दिसंबर 2009 के अंत में, बीएसई सेंसेक्स और एसएंडपी सीएनएक्स निफ्टि दोनों में सितंबर 2009 की तुलना में 2 प्रतिशत और मार्च 2009 की तुलना में 79.9 प्रतिशत लाभ दर्ज हुआ (चार्ट V.6क)।

V.29 2009-10 की ति3 में एफआइआइ ने निवल क्रय किए जबकि पारस्परिक निधियां निवल विक्रेता थीं। भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-दिसंबर 2009 में एफआइआइ ने भारतीय इक्विटी बाजार में 19.0 बिलियन अमरीकी डॉलर का निवल क्रय किया जबकि पिछले वर्ष की तुलनीय अवधि में उन्होंने 9.1 बिलियन अमरीकी डॉलर का निवल विक्रय किया था (चार्ट V.6ख)। इसके विपरीत, अप्रैल-दिसंबर 2009 में शेयर बाजारों में

चार्ट V.6: शेयर मूल्य और संस्थागत निवेश



मौद्रिक नीति वक्तव्य 2009-10

समष्टि आर्थिक और
मौद्रिक गतिविधियां
तीसरी तिमाही की समीक्षा
2009-10

पारस्परिक निधियों का निवल विक्रय 4,421 करोड़ रुपए था जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में उन्होंने 7,867 करोड़ रुपए का निवल क्रय किया था।

V.30 समग्र रूप से, देशी वित्तीय बाजार 2009-10 की ति3 में स्थिर और व्यवस्थित बने रहे जिसमें बाजार चलनिधि आरामदेय थी और मांग दर एलएएफ गलियारे के निम्न स्तर के करीब बने हुए थे। सीपी के माध्यम से निधि जुटाना तेज हो जाने के बावजूद, दर स्थिर बने रहे। किंतु, सरकारी

बांडों पर मध्य से दीर्घावधि की ब्याज दरें बढ़ीं जो भारी राजकोषीय घाटा और उभरता स्फीतिकारी दबाव दर्शाती हैं। निवेश मांग में वृद्धि से बेंचमार्क 5-वर्षीय कंपनी बांडों पर आय में भी वृद्धि हुई। शेयर मूल्यों ने लाभ को और बढ़ा दिया और प्राथमिक बाजार की गतिविधियां तेज हो गईं जो निजी स्थानन और पारस्परिक निधियों द्वारा निधि जुटाने से प्रेरित थीं। पूंजी अंतर्वाहों में सुधार दर्शाते हुए रुपए में प्रमुख मुद्राओं के प्रति मूल्यवृद्धि हुई।